aglasem.com

FOR MP CPCT EXAM PREPARATION

MP CPCT 2017 Question Paper · Hindi Typing

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT	DATE
MP CPCT	2017	Question Paper	Hindi Typing	14 Jan 2017

SHIFT
Shift 2

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Inscript 14th Jan 2017 Shift 2
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2017-01-14 17:47:42
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	97359739
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	97359747
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	97359747
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 973597189 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript

Actual

Group Number :	2
Group Id :	97359740
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Mandatory Break time:	No
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	97359748
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	97359748
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 973597190 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

कुछ वर्ष पहले सफर के दौरान मनोहर पर्रिकर के पास बैठा था। रक्षा मंत्री तब गोवा के मुख्यमंत्री थे। वे इकोनॉमी क्लास में यात्रा कर रहे थे, वे अपनी खास आधे आस्तीन की शर्ट, पेंट और चप्पल पहने थे। जब विमान नीचे उतरा तो वे कन्वेयर बेल्ट पर सूटकेस का इंतजार कर रहे थे और फिर खुद ही ट्रॉली खींचकर ले गए। निजी सहायकों का कोई लवाजमा उनके साथ नहीं था। कोई बात ऐसी नहीं थी, जिससे दूर से भी वीआईपी संस्कृति की गंध आती हो। एयरपोर्ट से बाहर निकलकर विदा लेते हुए उन्होंने कहा, 'आप सबको लगता है कि केवल अरविंद केजरीवाल ही आम आदमी के मुख्यमंत्री हैं। हम जैसे कुछ लोग भी सादगीभरा जीवन जीते हैं, लेकिन दिल्ली से गोवा इतनी दूर है कि आपकी नजर हम तक जाती ही नहीं, बेशक पर्रिकर और माणिक सरकार जैसे लोग 'टायरनी ऑफ डिस्टेंस' यानी दूरी की तानाशाही का खमियाजा भुगतते हैं। पणजी और अगरतला उतने न्यूज राडार पर नहीं हैं। इसके विपरीत केजरीवाल को उस चीज का फायदा मिला है, जिसे 'दहलीज की पत्रकारिता' कहा जा सकता है, क्योंकि वे टेलीविजन की ओबी वैन्स के कुछ किलोमीटर के दायरे में ही रहते हैं। वे इसके शिकार भी रहे हैं, क्योंकि उनकी हर पहल की माइक्रोस्कोप के नीचे जांची जाती है। अब जब अगले सप्ताह मुख्यमंत्री पद पर वे अपना एक साल पूरा कर रहे हैं, तो फिर उनका पूरी निर्दयता से पोस्टमार्टम हो जाएगा। किंतु सिर्फ भौगोलिक निकटता दिल्ली के मुख्यमंत्री पर 'नेशनल मीडिया' के अतिरिक्त ध्यान देने की वजह नहीं है। यह भी एक तथ्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह केजरीवाल भी जनमत का तीव्र ध्रुवीकरण करते हैं। वास्तविक या बनावटी जनमत का 'सोपबॉक्स', सोशल मीडिया केजरीवाल पर साफतौर पर बंट जाता है, या तो आप उनकी सराहना करते हैं या उन्हें नापसंद करते हैं। यहां तर्कसंगत संवाद की कोई गुंजाइश नहीं है। शायद फिर मोदी की तरह केजरीवाल भी जनमत के इस विभाजन का पूरा लुत्फ उठाते हैं। खुद को शिकार बताकर वे समर्थकों में अपनी स्थिति मजबूत कर लेते हैं। मोदी की तरह केजरीवाल भी यथास्थिति को चुनौती देने वाले बदलाव के वाहक 'चेंज एजेंट' के बतौर चुने गए थे। सवाल यह है कि क्या केजरीवाल राजनीतिक विमर्श को सार्थक ढंग से 'बदल' सके हैं या वे सिर्फ सत्ता के भूखे एक और नेता हैं, जो अपना साम्राज्य उठाने में लगे हैं। हाल की ऑड-ईवन कार योजना में उनके भीतर का सर्वोत्तम और निकृष्टतम देखने को मिला।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript